प्रेस विज्ञप्ति
22/12/2025

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बेंगलुरु आंचलिक कार्यालय ने 18.12.2025 को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत कर्नाटक, महाराष्ट्र और दिल्ली में स्थित 21 परिसरों पर मेसर्स फोर्थ ब्लॉक कंसल्टेंट्स और अन्य के मामले में तलाशी अभियान चलाया। पीएमएलए, 2002 के तहत आरोपियों और उनके सहयोगियों के आवासीय और कार्यालय परिसरों पर तलाशी ली गई।

यह तलाशी अभियान एफआईआर और कर्नाटक राज्य पुलिस द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर की गई प्रारंभिक जांच के बाद चलाया गया। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि आरोपियों द्वारा संचालित क्रिप्टोकरेंसी (आभासी संपत्ति) आधारित निवेश प्लेटफार्मों के माध्यम से विदेशी नागरिकों के साथ-साथ भारतीय नागरिकों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर संगठित वित्तीय धोखाधड़ी की गई और मुख्य रूप से आरोपियों द्वारा बनाई गई वेबसाइटों के माध्यम से क्रिप्टोकरेंसी के रूप में निवेश के बहाने धन एकत्र किया गया।
तलाशी अभियान के दौरान, आरोपियों द्वारा इस्तेमाल की गई निम्नलिखित कार्यप्रणाली का पता चला है:-

• नकली क्रिप्टोकरेंसी निवेश प्लेटफॉर्म बनाना जो असली निवेश प्लेटफॉर्म की तरह दिखते हैं और भारी मुनाफे का विज्ञापन करते हैं।

• भारत और विदेश के भोले-भाले निवेशकों को त्वरित रिटर्न का वादा करके निशाना बनाना। प्रचार के लिए प्रतिष्ठित क्रिप्टो विशेषज्ञों और मशहूर हस्तियों की तस्वीरों का बिना सहमति के इस्तेमाल करना।

• शुरुआती निवेशकों को कुछ रिटर्न देकर उनका भरोसा जीतना और अधिक निवेशकों को आकर्षित करना, बिल्कुल एक क्लासिक मल्टी-लेवल मार्केटिंग योजना की तरह।

• रेफरल बोनस देना और धोखाधड़ी को बढ़ाने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, टेलीग्राम आदि जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करना।

• अपराध की आय (पीओसी) इकट्ठा करने के लिए कई क्रिप्टो वॉलेट, विदेशी बैंक खाते और कंपनियां बनाना।

• हवाला, आवास प्रविष्टियों और पीयर-टू-पीयर (पी2पी) क्रिप्टो ट्रांसफर के माध्यम से भारत में धनराशि भेजना।

• भारत और विदेश में संपत्तियां बनाने के लिए पीओसी का उपयोग।

अभियुक्तों द्वारा उपर्युक्त कार्यप्रणाली को अंजाम देने के लिए बनाई और इस्तेमाल की गई कुछ वेबसाइटों का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

उपरोक्त कार्यप्रणाली का प्रयोग अभियुक्तों द्वारा वर्ष 2015 से किया जा रहा था और क्रिप्टोकरेंसी के रूप में अर्जित पीओसी का उपयोग अभियुक्तों द्वारा यथासंभव सीधे क्रिप्टो लेनदेन में किया जाता था, जिसे कुछ क्रिप्टो प्लेटफॉर्मों का उपयोग करके पीयर-टू-पीयर क्रिप्टो लेनदेन के माध्यम से नकद/बैंक बैलेंस में परिवर्तित किया जाता था।

इस प्रकार अर्जित पीओसी का उपयोग अभियुक्तों द्वारा भारत और विदेश में चल और अचल संपत्तियों के अधिग्रहण में किया गया है।

तलाशी के दौरान इनमें से कुछ संपत्तियों की पहचान की गई है। तलाशी अभियान से आरोपियों के कुछ क्रिप्टो वॉलेट पतों की भी पहचान हुई है, जिनका इस्तेमाल पीओसी प्राप्त करने और आगे उपयोग करने के लिए किया गया था।

तलाशी के दौरान यह पता चला है कि अधिकांश आरोपी पीओसी का शोधन करने के लिए गुप्त विदेशी बैंक खाते और विदेशी संस्थाएं चला रहे हैं।

आगे की जांच जारी है।

****

परिशिष्ट

(i) goldbooker.com (xiv) fincorp.com

(ii) wozur.com (xv) theapexpower.com

(iii) mygoldrev.com (xvi) cryptobrite.com

(iv) cryptexify.com (xvii) goldxcapital.com

(v) hawkchain.com (xviii) cubigains.com

(vi) paymara.com (xix) bitcodeals.com

(vii) hackandpool.com (xx) turbominers.com

(viii) growmore.com (xxi) bitminerclub.com

(ix) bitrobix.com (xxii) primetrades.com

(x) zylotrade.com (xxiii) cryptobtctrade.com

(xi) cryptogames24hrs.com (xxiv) hydrominers.com

(xii) bitleeds.com (xxv) bixotrade.org

(xiii) jumboticket.network (xxvi) metaaibox.com

*****